हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, सोमवार 2 नवंबर 2026

11 शिक्षा और उद्योग क्षेत्रों में बनाई विशिष्ट पहचान : डॉ. विवेक भारती



12 दिलप्रीत सिंह, मनिंद्र समरा, प्रीत कौर और पूजा रानी बेस्ट



खबर संक्षेप

विश्वकर्मा दिवस को लेकर बनाई रूपरेखा

सिरसा। ऑटो मार्केट स्थित विश्वकर्मा मंदिर में विश्वकर्मा दिवस को धूमधाम से मनाने के लिए मंदिर कमेटी सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। प्रधान अनिल बांगा व सोहन चावला ने बताया कि हर वर्ष की भांति विश्वकर्मा दिवस मंदिर परिसर में हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। मीटिंग में विश्वकर्मा मंदिर के रख-रखाव को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। मीटिंग में सभी से सुझाव लिए गए। बांगा व चावला ने सभी ऑटो व्यवसायियों व नगरवासियों से आह्वान किया कि वे दीपावली से अगले दिन विश्वकर्मा दिवस पर कार्यक्रम में पहुंचें और बाबा विश्वकर्मा का आशीर्वाद प्राप्त करें।

संगम अस्पताल के बाहर से बाइक चोरी का आरोपी काबू

फतेहाबाद। थाना शहर टोहाना पुलिस ने संगम अस्पताल के सामने से मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रफीक उर्फ मोहम्मद पुत्र मनीराम निवासी गांव खराल, जिला जींद के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि गांव कन्हड़ी निवासी मनोज कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि दो फरवरी को उसकी हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल संगम अस्पताल, टोहाना के सामने से चोरी हो गई थी। दोपहर करीब एक बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

बाइक चोरी की वारदात सुलझी, आरोपी गिरफ्तार

सिरसा। रानियां थाना पुलिस ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले युवक को गांव करीवाला क्षेत्र से चोरी शुदा बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया है। करीवाला पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया कि मोहम्दपुरिया निवासी रामदतने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती 7 अक्तूबर को उसने अपना मोटरसाइकिल बटला एग्रो फिरोजाबाद रोड के पास खड़ा कर किसी काम के लिए चला गया। कुछ समय बाद वापस आकर देखा तो बाइक कोई अज्ञात युवक चोरी करके ले गया था । पीड़ित व्यक्ति की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना रानियां में चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

डोडा पोस्त सहित आरोपी जैकी राम गिरफ्तार

फतेहाबाद। थाना सदर टोहाना पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक किलो 390 ग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान जैकी राम पुत्र रामदास निवासी गांव जमालपुर शेखां, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना सदर टोहाना के प्रभारी निरीक्षक साधुराम ने बताया कि गत 31 अक्टूबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि चंदड़ रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति नशीला पदार्थ लेकर खड़ा है। पुलिसकर्मियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे कुछ ही दूरी पर घेरकर काबू कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपनी पहचान जैकी राम निवासी जमालपुर शेखां के रूप में बताई।

रेलवे में नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी

फतेहाबाद। रेलवे में टीटीई की नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के मामले में आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान मंगल सिंह पुत्र भजन सिंह निवासी गांव भिरड़ाना, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। गांव काताखेड़ी निवासी हरभजन सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसकी गांव भिरड़ाना निवासी मंगल सिंह के साथ पुरानी जान-पहचान थी। वर्ष 2025 में आरोपी मंगल सिंह ने उसके घर आकर दावा किया था कि उसकी सेना के उच्च अधिकारियों तक गहरी जान-पहचान है।

अधिकतम तापमान 29 व न्यूनतम 17 डिग्री, बीमारी का खतरा

दिन में गर्मी, रात में ठंड... मौसम के उतार-चढ़ाव से बच्चे और बड़े भी बीमार

- नागरिक अस्पताल की मेडिसिन ओपीडी में रोजाना 300 से अधिक मरीज, करीब 100 बुखार और 200 खांसी-जुकाम से पीड़ित

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

दिन में तेज धूप और गर्मी, लेकिन सुबह-शाम व रात को ठंडक। मौसम के इस बदलते मिजाज का असर अब लोगों की सेहत पर दिखाई देने लगा है। वायरल बुखार, खांसी-जुकाम, गले में खराश और संक्रमण की शिकायत लेकर बच्चे ही नहीं, बड़े भी अस्पताल पहुंच रहे हैं। नागरिक अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 300 से अधिक मरीज इन मौसमी बीमारियों के उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 100 मरीज बुखार और 200 मरीज खांसी-जुकाम व गले के संक्रमण से पीड़ित हैं। वहीं, बाल रोग ओपीडी में भी रोजाना 100 से अधिक बच्चे उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में बदलते मौसम के बीच अस्पताल की ओपीडी में मरीजों की संख्या बढऩे लगी है। इन दिनों जिले में अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। दिन और रात के तापमान में करीब 12 डिग्री का अंतर होने से लोगों को मौसम के अनुसार दिनचर्या और पहनावे में बदलाव करना पड़ रहा है। दिन में गर्मी के कारण लोग हल्के कपड़े पहनते हैं, जबकि शाम होते ही ठंडक बढ़ जाती है। सुबह और रात के समय तापमान में गिरावट के बीच पर्याप्त सावधानी नहीं बरतने से सर्दी-जुकाम और वायरल संक्रमण की शिकायतें सामने आ रही हैं।



फतेहाबाद। नागरिक अस्पताल में ओपीडी के लिए लगी लाइन। *फोटो: हरिभूमि*

बदलते मौसम में ऐसे रखें सेहत का ध्यान

सुबह और शाम ठंडक होने पर पूरी बांह के कपड़े पहनें। दिन में गर्मी के बावजूद रात के समय शरीर को ठंड से बचाएं। बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी हवा के सीधे संपर्क में आने से बचाएं। पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पानी पिएं और शरीर में पानी की कमी न होने दें। घर का ताजा, हल्का और पौष्टिक भोजन करें। खुले में रखे और बासी खाद्य पदार्थों से परहेज करें। खांसी-जुकाम होने पर मुंह और नाक को ढकें तथा हाथों की नियमित सफाई करें। भीड़भाड़ वाली जगहों पर संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी बरतें। बुखार होने पर आराम करें और डॉक्टर की सलाह के बिना एंटीबायोटिक या दर्द निवारक दवाओं का सेवन न करें।

इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

चिकित्सकों के अनुसार अचानक बुखार आना, लगातार बदन दर्द, खांसी, छींक, नाक बहना, गले में दर्द या निगलने में परेशानी, सुस्ती, भूख कम लगना, बार-बार उल्टी और दस्त होना ऐसे लक्षण हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। बच्चों में दूध या खाना कम लेना और असामान्य चिड़चिड़ापन भी परेशानी का संकेत हो सकता है। सांस लेने में दिक्कत, अत्यधिक कमजोरी या शरीर में पानी की कमी के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ओपीडी में 300 से ज्यादा मरीज, बाल रोग विभाग में भी भीड़

नागरिक अस्पताल में सामान्य दिनों में करीब 1300 पर्चियां बनती थीं, जबकि अब यह संख्या बढ़कर करीब 1400 तक पहुंच रही है। मेडिसिन और बाल रोग विभाग में मरीजों की संख्या अधिक है। मेडिसिन ओपीडी में रोजाना 300 से अधिक मरीज बुखार, खांसी-जुकाम और गले में संक्रमण की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 100 मरीज बुखार और 200 मरीज खांसी-जुकाम व गले संबंधी परेशानी से पीड़ित हैं। दूसरी ओर, बाल रोग ओपीडी में रोजाना 100 से अधिक बच्चे उपचार के लिए आ रहे हैं। इनमें करीब 60 बच्चों को वायरल बुखार, जबकि 40 बच्चों को खांसी-जुकाम, गले में संक्रमण और दस्त की शिकायत है। इस तरह बच्चों के साथ युवा, महिलाएं और बुजुर्ग भी मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार मौसम में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण के मामले सामने आते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। कई मरीजों में शुरुआत में नाक बहने, छींक आने और गले में खराश जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसके बाद बुखार, बदन दर्द और खांसी की परेशानी हो सकती है। लक्षण लगातार बने रहने या बढऩे पर चिकित्सक से जांच करवानी चाहिए।

खांसी-जुकाम के बाद दस्त की शिकायत भी

मौसम बदलने के साथ बच्चों में खांसी-जुकाम के अलावा पेट संबंधी परेशानियां भी सामने आ रही हैं। 8 वर्षीय रूचि को पहले खांसी-जुकाम हुआ और पिछले दो-तीन दिनों से दस्त की शिकायत भी होने लगी। डॉक्टर ने उपचार के साथ आराम करने की सलाह दी है। इसी तरह 6 वर्षीय ध्रुव की कई दिनों से नाक बह रही थी। बाद में उसे बुखार हो गया। जांच कराने पर छाती में परेशानी और गले में संक्रमण की शिकायत सामने आई। ऐसे मामलों में बच्चों की सेहत पर नजर रखना और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

धान कटाई के बाद रबी सीजन की तैयारियां शुरू

तापमान नीचे आते ही सरसों व गेहूं की बिजाई पकड़ेगी रफ्तार

- 5 नवंबर तक मौसम खुश्क रहने का अनुमान, दिन में बढ़ेगा तापमान तो रात को आएगी हल्की गिरावट
- विभाग के अनुसार दिन के तापमान में होगी बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

धान की कटाई के बाद अब खेतों में रबी सीजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं, लेकिन सरसों और गेहूं की बिजाई के लिए किसानों को मौसम में थोड़ी और ठंडक आने का इंतजार है। फिलहाल दिन के समय तापमान सामान्य रूप से गर्मी का अहसास करा रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 29 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ऐसे में किसानों की नजरें अब तापमान में गिरावट पर टिकी हैं, ताकि अनुकूल मौसम मिलते ही सरसों और गेहूं की बिजाई में तेजी लाई जा सके। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार प्रदेश में 5 नवंबर तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान हवाओं की दिशा उत्तर-पूर्वी से बदलकर उत्तर-पश्चिमी होने के आसार हैं। बीच-बीच में हल्की से मध्यम गति से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होगी, जबकि सुबह और शाम के समय ठंडक बनी रहेगी। वहीं रात्रि तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है।

रात की ठंडक बढ़ने पर अनुकूल होंगे हालात

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार रबी फसलों की बिजाई के लिए खेत में पर्याप्त नमी और फसल के अनुकूल तापमान दोनों महत्वपूर्ण हैं। सरसों की बिजाई का उपयुक्त समय सामान्यतः अक्टूबर के मध्य से नवंबर के शुरुआती दिनों तक रहता है। वहीं गेहूं की समय पर बिजाई के लिए नवंबर का पहला पखवाड़ा महत्वपूर्ण माना जाता है। तापमान अधिक रहने पर गेहूं की शुरुआती बढ़वार और पौधों के विकास पर असर पड़ सकता है। ऐसे में रात के तापमान में गिरावट और सुबह-शाम बढ़ती ठंडक से किसानों को बिजाई के लिए अनुकूल परिस्थितियां मिलने की उम्मीद है।

मौसम खुश्क रहने से खेतों में कामकाज रहेगा आसान

अगले पांच दिनों तक बारिश की संभावना नहीं होने से खेतों में धान कटाई के बाद बची फसल अवशेषों के प्रबंधन, खेत तैयार करने और बिजाई संबंधी कार्यों में आसानी रहेगी। किसान खेतों में नमी की स्थिति को देखते हुए पलेवा और जमीन तैयार करने का काम कर सकेंगे। हालांकि गेहूं की बिजाई में अनावश्यक देरी से बचना भी जरूरी है। इसलिए किसानों को केवल ठंड बढऩे का इंतजार करने के बजाय कृषि विशेषज्ञों की सलाह और खेत की नमी के अनुसार बिजाई की तैयारी रखनी चाहिए।

जिले की मंडियों में 5.38 लाख टन धान पहुंचा



फतेहाबाद। अनाज मण्डी का मेन गेट। *फोटो: हरिभूमि*

- 2.83 लाख टन की लिफ्टिंग, 1.44 लाख टन अब भी उठान के इंतजार में, किसानों को 660 .88 करोड़ का भुगतान

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

जिले की अनाज मंडियों में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान धान की आवक और सरकारी खरीद लगातार बढ़ रही है। 31 अक्टूबर तक मंडियों में कुल 5,38,104 मीट्रिक टन धान पहुंच चुका है। इसमें से सरकारी खरीद एजेंसियों ने 4,27,761 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। खरीदे गए धान में से 2,83,116 मीट्रिक टन का उठान हो चुका है, जबकि 1,44,645 मीट्रिक टन धान अभी भी मंडियों से उठाया जाना बाकी है। खरीद एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, किसानों को अब तक 660.88 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। कुल खरीद के मुकाबले लिफ्टिंग करीब 66 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यानी सरकारी एजेंसियों की ओर से खरीदे गए धान का लगभग 34 प्रतिशत हिस्सा अभी उठान के इंतजार में है। मंडियों में खरीदे गए धान का इतना बड़ा स्टॉक शेष रहने से उठान की गति बनाए रखना जरूरी है, ताकि आगे आने वाली फसल के प्रबंधन में परेशानी न हो। एजेंसीवार आंकड़ों के अनुसार, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने अब तक 1,69,079 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। इसमें से 1,05,386 मीट्रिक टन का उठान हो चुका है, जबकि 63,693 मीट्रिक टन धान उठाया जाना बाकी है। एजेंसी की उठान प्रगति करीब 62 प्रतिशत दर्ज की गई है। रिपोर्ट में इस एजेंसी को किसानों के भुगतान के लिए 249.94 करोड़ रुपये का आंकड़ा दर्शाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैफेड ने अब तक 1,50,611 मीट्रिक टन धान की खरीद की है, जबकि हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन की खरीद 1,00,142 मीट्रिक टन दर्ज है। दोनों एजेंसियों के उठान और भुगतान से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों में कुछ कॉलम स्पष्ट नहीं हैं। इसलिए इनके अलग-अलग उठान और बकाया के आंकड़ों का मूल रिपोर्ट से मिलान आवश्यक है।

एक नजर में धान खरीद की स्थिति

कुल आवक	5,38,104 मीट्रिक टन
कुल सरकारी खरीद	4,27,761 मीट्रिक टन
कुल उठान	2,83,116 मीट्रिक टन
शेष उठान	1,44,645 मीट्रिक टन
कुल खरीद के मुकाबले लिफ्टिंग	करीब 66 प्रतिशत
किसानों को कुल भुगतान	660.88 करोड़ रुपये
कुल खरीद के मुकाबले भुगतान	करीब 63 प्रतिशत

फूड एजेंसी ने खरीदा 1.69 लाख टन धान

पिछले सीजन में हुई थी 11 लाख टन से अधिक खरीद

पिछले खरीफ सीजन 2025-26 में जिले में कुल 11,02,617 मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी। मौजूदा सीजन में 31 अक्टूबर तक खरीद 4,27,761 मीट्रिक टन पहुंची है। यह पिछले पूरे सीजन की खरीद का करीब 39 प्रतिशत है। हालांकि, चालू सीजन की खरीद अभी जारी है, इसलिए अंतिम आंकड़े आने पर ही दोनों सीजन की पूरी तुलना की जा सकेगी। कुल मिलाकर, जिले में धान की आवक 5.38 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो चुकी है। सरकारी एजेंसियां 4.27 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद चुकी हैं, लेकिन 1.44 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा धान का उठान अभी बाकी है। किसानों को भुगतान के साथ-साथ मंडियों से खरीदे गए धान का समय पर उठान भी प्रशासन और खरीद एजेंसियों के लिए अहम रहेगा।

जनसंवाद में विपक्ष पर किया प्रहार

- वक्ताओं ने कांग्रेस सहित विपक्ष पर साधा निशाना, एसआईआर के बहाने देश में अराजकता फैलाने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ऐलनाबाद

शहर की अतिरिक्त अनाज मंडी में बने किसान विश्रामगृह में भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत प्रबुद्ध जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा नेता जगदीश चोपड़ा ने कहा कि एसआईआर कोई नई प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह भारतीय लोकतंत्र और चुनाव व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण संवैधानिक हिस्सा है। वर्ष 1952 से लेकर 2002-03 तक देश में कई बार मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दल इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 324, 325 और 326 का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव तथा मतदाता सूची की व्यवस्था में चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। एसआईआर का उद्देश्य किसी पात्र मतदाता को उसके मताधिकार से वंचित करना नहीं, बल्कि मृतक, स्थानांतरित एवं अपात्र मतदाताओं के नामों की जांच कर सूची को दुरुस्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति घुसपैठियों की पहचान करने और मतदाता सूची से अपात्र नामों को हटाने की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन इस संवैधानिक प्रक्रिया को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा हरियाणा की मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवालों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक ही मकान नंबर पर अनेक परिवारों का रहना अपने आप में फर्जी मतदान का प्रमाण नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को बिना ठोस प्रमाण के चुनाव प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने से बचना चाहिए। हार के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने के बजाय राजनीतिक दलों को अपनी नीतियों और नेतृत्व की समीक्षा करनी चाहिए।



सिरसा। कार्यक्रम में मौजूद भाजपा नेता। *फोटो: हरिभूमि*

मतदाता सूची का शुद्धिकरण देशहित में जरूरी

भाजपा जिलाध्यक्ष यतिंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण, निष्पक्ष चुनाव और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती देशहित में आवश्यक है। कार्यक्रम में अमीरचंद मेहता, निताशा सिहाग, भूराराम डूडी, नरेश कटारिया, अंबर मेहता,शमिंद्र कंबोज, नगरपालिका के पूर्व अध्यक्ष रवि लढ़ा, मार्केट कमेटी के चेयरमैन भगवान सिंह बाजवा, वाइस चेयरमैन चंद प्रकाश सोनी, सुभाष चौहान, डा. सुरेन्द्र गुप्ता, देवेंद्र गोयल, राजकुमार तलवाडिया, रजनी सैनी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अपील | साइबर ठग बच्चों की गेमिंग के प्रति रुचि का उठाते है फायदा : पुलिस अधीक्षक

गेमिंग के शौक में कहीं साइबर ठगों के जाल में न फंस जाएं बच्चे, एसपी निकिता खट्टर ने अभिभावकों को किया सतर्क

- सोशल मीडिया पर फ्री रोबॉक्स व विशेष बोनस जैसे विज्ञापन किए जाते है प्रसारित

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

ऑनलाइन गेमिंग आज के समय में बच्चों और युवाओं के मनोरंजन का एक अत्यंत लोकप्रिय माध्यम बन चुकी है, लेकिन इसी बढ़ती लोकप्रियता का फायदा उठाकर साइबर अपराधी ठगी के नए-नए और शातिर तरीके अपना रहे हैं। विशेष रूप से रोबॉक्स जैसे लोकप्रिय ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर वर्चुअल करेंसी रोबॉक्स और आकर्षक गेमिंग रिवॉर्ड का लालच देकर बच्चों को निशाना बनाने के मामले सामने आ रहे हैं। इसी को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर, आईपीएस ने सभी अभिभावकों और युवाओं से ऑनलाइन गेमिंग के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरतने की अपील की है। एसपी ने बताया कि साइबर ठग बच्चों की गेमिंग के प्रति रुचि और मुफ्त रिवॉर्ड पाने की उत्सुकता का फायदा उठाते हैं। इसके लिए सोशल मीडिया, यूट्यूब, व्हाट्सएप तथा अन्य ऑनलाइन माध्यमों पर फ्री रोबॉक्स, अनलिमिटेड गेमिंग कॉइन और विशेष बोनस देने जैसे लुभावने विज्ञापन प्रसारित किए जाते हैं। इन विज्ञापनों और प्रलोभनों के जरिए खिलाडिय़ों को फर्जी वेबसाइट्स या फिशिंग लिंक्स पर रीडायरेक्ट किया जाता है, जहां से उनके गेमिंग अकाउंट के पासवर्ड और गोपनीय विवरण चुरा लिए जाते हैं। कई मामलों में ठग खुद को गेमिंग प्लेटफॉर्म का आधिकारिक कर्मचारी या तकनीकी सहायता प्रतिनिधि बताकर भी संपर्क करते हैं। बच्चों को गेमिंग रिवॉर्ड दिलाने के नाम पर कई बार अभिभावकों के मोबाइल फोन, ओटीपी या बैंक कार्ड से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल कर ली जाती हैं, जिससे परिवारों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। एसपी ने अपील की है कि यदि किसी बच्चे या परिवार के साथ ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर धोखाधड़ी हो जाती है, तो घबराने के बजाय तुरंत राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें। इसके साथ ही संदिग्ध चैट, लिंक और ट्रांजेक्शन के स्क्रीनशॉट या सबूत सुरक्षित रखें, ताकि जांच में पुलिस को मदद मिल सके। पुलिस अधीक्षक ने अंत में कहा कि डिजिटल दुनिया में बच्चों की सुरक्षा केवल तकनीकी उपायों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए अभिभावकों की जागरूकता और सतर्कता सबसे बड़ा कवच है।

इंटरनेट पर हर विज्ञापन सुरक्षित नहीं : खट्टर



एसपी निकिता खट्टर ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों के साथ मित्रवत संवाद स्थापित करें और उन्हें इंटरनेट पर मौजूद खतरों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि बच्चों को यह समझाना बेहद जरूरी है कि इंटरनेट पर दिखने वाला हर आकर्षक ऑफर सही या सुरक्षित नहीं होता। बच्चों को सख्त हिदायत दें कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई लिंक न खोलें, थर्ड-पार्टी ऐप डाउनलोड न करें और अपना पासवर्ड या ओटीपी कभी भी साझा न करें। अभिभावकों को सलाह दी गई है कि वे बच्चों के गेमिंग अकाउंट्स में पेरेंट्रल कंट्रोल और सुरक्षा सुविधाओं का उपयोग करें, ऑनलाइन भुगतान गतिविधियों पर कड़ी नजर रखें और गेमिंग करेंसी की खरीद केवल आधिकारिक व भरोसेमंद माध्यमों से ही करें।

सिरसा और फतेहाबाद को मिलाकर नए सिरसा डाक मंडल का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

भारतीय डाक विभाग ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक नवंबर से नए सिरसा डाक मंडल का गठन किया है। इस नए मंडल में सिरसा एवं फतेहाबाद जिलों को शामिल किया गया है। नवगठित डाक मंडल का मुख्यालय सिरसा में स्थापित किया गया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए अधीक्षक डाकघर, हिसार मंडल, अनिल कुमार रोज ने हरियाणा सर्कल की चीफ पोस्टमास्टर जनरल मनीषा बंसल बादल का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि चीफ पोस्टमास्टर जनरल की दूरदर्शी सोच एवं कुशल प्रशासनिक नेतृत्व के परिणामस्वरूप यह पहल साकार हो पाई है। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक पुनर्गठन के तहत पूर्ववर्ती हिसार डाक मंडल, जिसमें हिसार, हांसी, सिरसा एवं फतेहाबाद जिले शामिल थे, को विभाजित कर दो स्वतंत्र डाक मंडलों का गठन किया गया है। इससे संबंधित क्षेत्रों में डाक सेवाओं के प्रशासनिक प्रबंधन, निगरानी एवं संचालन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। साथ ही, आमजन को डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का बेहतर लाभ मिल सकेगा।

नए सिरसा डाक मंडल में 301 डाकघर होंगे

नवगठित सिरसा डाक मंडल के अंतर्गत कुल 301 डाकघर शामिल किए गए हैं। इनमें 1 प्रधान डाकघर, 34 उप डाकघर तथा 266 शाखा डाकघर होंगे। इस अवसर पर अनिल कुमार रोज ने हिसार डाक मंडल के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीण डाक सेवकों के योगदान की सराहना की।

ध्यान का मकसद आपके अंदर आवश्यक माहौल बनाना है ताकि आप आनंद और शांति में जिएं, और इसके फलस्वरूप आपकी प्रतिभा को उजागर करें।
- सदगुरु जग्गी वासुदेव



ऐसा नहीं है कि मैं बहुत संगदिल हूं। मेरे अंदर वह दिल ही नहीं जो किसी अपने को याद करे- ऐसा भी नहीं है। परिस्थितियां बहुत बड़ी शै का नाम होती हैं। वे हर इंसान को बदल देती हैं। पर मुझे तो शायद किसी को बदलने की ज़रूरत ही नहीं थी। मैंने जब से होश संभाला, अपने गिर्द हमेशा हालात का एक चक्रव्यूह पाया।





कहानी

डॉ. ललिता विम्मी

क्यों

तेज़ गति से भागती बस, अधखुली खिड़कियों से भीतर आते शीतल हवा के झोंके और अपनी-अपनी सोच में डूबे यात्री। जैसे हर कोई अपने भीतर की किसी दुनिया में खोया हुआ था। कोई किसी से बात नहीं कर रहा था। सब सामने शून्य में ताकते हुए अपने अपने ख्यालों में थे। तभी अचानक म्यूज़िक की आवाज़ आने लगी। शायद चालक ने रिकॉर्डर चला दिया था। गाने की धुन पता नहीं क्यों बहुत जानी-पहचानी-सी लगी। फिर बोल शुरू हुए-

"वक्त लाया था बहारें,
वक्त लाया है ख़िज़ां,
वक्त के दिन और रात,
वक्त के कल और आज,
वक्त की हर शै गुलाम।
आदमी को चाहिए वक्त से डरकर रहे,
कौन जाने किस घड़ी वक्त का बदले मिज़ाज"।

मेरा मन बस को छोड़कर आपके पास पहुंच गया था। आप कहां हैं? क्या आप मुझे देख पा रहे हैं? क्या आप मुझे सुन पा रहे हैं? आज आप मुझे सुनिएगा... प्लीज़। प्लीज़...मैंने आपसे कभी कुछ नहीं कहा, पर आज बहुत कुछ कहना है आपसे। आप यह गाना बहुत सुनते थे न? बहुत गुनगुनाते भी थे। तब इस गाने का अर्थ समझने की मेरी उम्र नहीं थी। आप ऐसे ही बहुत-से गाने सुनते और गुनगुनाते रहते थे, पर तब मैं इनके अर्थ से नावाकिफ थी। इसलिए ये गाने मुझे अच्छे नहीं लगते थे। पर अब...अब तो यही गाने अच्छे लगते हैं मुझे। मैं इनके अर्थों से सिर्फ़ वाकिफ ही नहीं हुई, बल्कि इनके अर्थों को जी भी चुकी हूं। आज इस गाने ने मुझे आपकी याद दिला दी।

आप सोचेंगे कि क्या मैं वैसे आपको याद नहीं करती? किसी माध्यम से ही याद करती हूं? आप बिल्कुल सही सोचेंगे। मुझे आपकी याद आती ही नहीं। क्योंकि ऐसा कोई स्नेह और सौहार्द हमारे बीच था ही नहीं कि मैं आपको किसी भी पल याद करने लगूं। हां, रिश्ता तो था हमारे बीच। लेकिन क्या किसी से कोई रिश्ता होने मात्र से हम उसकी यादों में बंध जाते हैं? यादों में बंधने के लिए शायद रिश्ते से कहीं अधिक भावनाओं का होना ज़रूरी होता है। हमारी रिश्तेदारी में वे भावनाएं शायद कहीं थीं ही नहीं। ऐसा नहीं है कि मैं बहुत संगदिल हूं। मेरे अंदर वह दिल ही नहीं जो किसी अपने को याद करे- ऐसा भी नहीं है। परिस्थितियां बहुत बड़ी शै का नाम होती हैं। वे हर इंसान को बदल देती हैं। पर मुझे तो शायद किसी को बदलने की ज़रूरत ही नहीं थी। मैंने जब से होश संभाला, अपने गिर्द हमेशा हालात का एक चक्रव्यूह पाया। उसी को तोड़ते-तोड़ते, उसी से निकलने की कोशिश करते-करते मेरी अपनी शख्सियत ही बदल गई। मैं वक्त से पहले ही बड़ी हो गई। आपको याद होगा न...जब आप और मां झगड़ते थे तो एक आठ साल की बच्ची आप दोनों को यह कहकर चुप कराने की कोशिश करती थी- "लोग तमाशा देख रहे हैं... प्लीज़ मत चिल्लाइए... प्लीज़!"

उस लड़की के जुड़े हाथों को झटककर आप लोग फिर झगड़ने लगते थे। वह बच्ची मैं ही तो थी, डैडी। वही बच्ची, जो बचपन जीने से पहले ही बूढ़ी हो गई थी। आपको याद होगा, जब मां की मौत हुई थी। उससे पिछली रात आपने बहुत शराब पी रखी थी। मां सुबह चार बजे खत्म हुई थीं। मैं तीन बजे ही, यानी प्रभात बेला से पहले डॉक्टर को बुलाने चली गई थी। डॉक्टर आया, हाथ हिलाकर मां को मृत घोषित कर दिया। और आप...आप तो बस बिना दर्द के कराहते रहे और अपनी उपस्थिति जताते रहे। आपको याद है न, मेरी उम्र उस वक्त यही कोई चौदह साल की रही होगी। मैंने सबको टेलीग्राम किया। अंतिम संस्कार की तैयारी पड़ोसियों के साथ मिलकर की। क्योंकि आपको तो ग़म ही इतना हो गया था। भाई कोई था नहीं मेरा।

रिश्तेदारों को आने में समय लगना था तो किसी को तो यह सब करना ही था। बिना रोए, बिना चिल्लाए मैंने सब काम निपटाए। मुझे रोना आया ही नहीं था। ऐसा नहीं था कि मेरे अंदर अहसास ही नहीं था। पर रोता शायद वही है जिसे लगे कि कोई है जो उसे संभाल लेगा, उसे चुप कराएगा। और मैं तो इस बात से बहुत बचपन से ही वाकिफ थी कि मुझे संभालने वाला कोई नहीं है। मैं बचपन से ही आप दोनों को लड़ते-झगड़ते देख रही थी। और आप लोगों ने कभी यह सोचा ही नहीं कि जिस बच्चे की लाड़-प्यार और देखभाल पाने की उम्र है, उसे किस कदर आप लोगों की देखभाल करनी पड़ती है। उस जमाने का चलन तो आपको याद होगा न? कितना भेद होता था लड़की और लड़के में। याद भी क्यों नहीं होगा आपको? आप दोनों भी तो इसी सोच के पक्षधर थे। उस दौर में जब मैं ग्यारह-बारह वर्ष की रही होऊंगी, आपको शराब के नशे में धुत आपके ठिकानों से उठाकर घर लाती थी। शायद आपका बेटा होता तो यह सब बिल्कुल न करता।

खैर... छोड़िए। कौन होता, क्या करता—यह तो कल्पनाओं का विषय है। आप क्यों पीते थे इतना? क्यों झगड़ते थे आप लोग इतना? हमें आप लोगों से कभी भी वह भावनात्मक सहारा नहीं मिला, जो बच्चों को अपने माता-पिता से मिलता है। कभी आपने हमारी पढ़ाई के विषय में नहीं पूछा, जबकि आप स्वयं एक अध्यापक थे। क्यों रहते थे आप ऐसे? आप शराब पीकर रोते हुए पुराने गाने गाते रहते थे—"गुज़रा हुआ ज़माना आता नहीं दोबारा,हाफ़िज़ ख़ुदा तुम्हारा..." और—"किसी के हिस्से में प्यास आई, किसी के हिस्से में जाम आया..." मुझे नहीं पता, किस जाम और किस गुज़रे ज़माने का दर्द समेटे रहते थे आप अपने भीतर। पर किसी को पैदा करना और फिर उसके जीवन को तबाह करने का आरोप मैं आप पर लगाती हूं। सबूत मैं खुद हूं। सज़ा देने वाले को मैं नहीं जानती। शायद इस जुर्म की कोई सज़ा भी नहीं होगी। काश... होती।

सरकारी स्कूल, जिसकी फीस दो रुपये हुआ करती थी, उसकी फीस भी आप लोग ऐसे देते थे कि आपके चेहरे के भाव देखकर मैं खुद को बहुत बड़ा भिखारी समझने लगती थी। एक बार आपके बड़े भाई ने कहा था-"बहुत प्रश्न करती है ये लड़की। बड़ी मुंहफट है।" शायद उन्होंने ठीक ही कहा था। क्योंकि उनकी लड़की को अपनी स्कूल फीस के लिए अपने बाप के सामने गिड़गिड़ाना नहीं पड़ता था। कभी वह रात के अंधेरे में अपने शराबी बाप को संभालकर घर नहीं लाई थी। जिसे बिन मांगे सब मिल जाए, उसे आवाज़ उठाने की ज़रूरत ही कहां पड़ेगी? और क्यों उसे मुंहफट का तमगा मिलेगा? "मेरी बच्ची..." इसी शब्द से बुलाते थे न ताऊजी अपनी बेटी को? पर आपके मुंह से मेरी तो क्या, मैंने कभी "बेटी" या "बच्ची" भी नहीं सुना था। मैंने कभी आपको हंसते हुए भी नहीं देखा। आप बिना किसी काम के हमसे कोई बात भी नहीं करते थे। क्यों करते थे आप ऐसा? क्या हम आपकी बेटियां नहीं थीं? थीं... बिल्कुल थीं। क्योंकि हर जानने वाला आज भी यही कहता है- "तुम अपने डैडी की कॉपी हो।" तब तो किसी प्रश्न या डीएनए की ज़रूरत ही नहीं रही। मैं सुनती आई हूं कि आपने बहुत संघर्ष करके पढ़ाई की थी। अखबार बेचे, लोगों के झूठे बर्तन मांजे। कोई बुरा काम नहीं था, डैडी। क्योंकि उसका परिणाम भी तो कितना बेहतर था। आप तीन विषयों में मास्टर डिग्री वाले सरकारी अध्यापक थे। आपने अपने अन्य भाइयों को उनकी शिक्षा के लिए बहुत सहयोग दिया-ऐसा लोग बताते हैं। फिर अपनी औलाद को क्यों नहीं ढंग की तालीम मुहैया करवाई? अपने नशे, अपने विचारों और अपने अहं की दुनिया में ही क्यों बस गए आप? मां हमेशा इसी चिंता में रहती थी- "शाम ढल रही है, तेरे डैडी अभी तक नहीं आए। कभी ज़्यादा पीकर रास्ते में चोट न खा लें। जा, तू जा... देख, संभालकर ले आइयो।" ऐसा कहते हुए मां शायद यह भी भूल जाती थी कि अंधेरा हो रहा है और मैं एक बारह साल की लड़की हूं। एक शराबी को मैं कहां ढूंढ़ती फिरूंगी? और बचे आप...आपको तो न कुछ याद था और न आप कुछ याद रखना चाहते थे। शायद हमारे नसीब ही ऐसे थे।

सत्या मौसी कहती थीं—"ये सब पूर्व जन्मों के फल होते हैं, बेटी।" शायद मैंने पूर्व जन्म में किसी रिश्ते के तहत आप लोगों के साथ कोई बहुत ही बुरा सलूक किया था, जो इस जन्म में आप मुझे मां-बाप के रूप में मिले। परवरदिगार से मेरी इल्तिज़ा है कि हमारे कर्मों का हिसाब इसी जन्म में निपट गया हो। कितने आरोप लगा रही हूं मैं आप पर। आप भी सोच रहे होंगे न- "ये लड़की भी बहुत मुंहफट है। अपने मरहूम बाप पर भी आरोप लगा रही है।" जब लोग अपने बचपन के किस्से चटखारे लेकर सुनाते हैं, तो मेरे पास सिवाय दर्द के कोई शब्द नहीं होता। उसी दर्द को जब मैं अपनी मुस्कराहट के पीछे छिपाती हूं, तो बहुत असहनीय दर्द होता है। आज मैं उस भयावह अतीत को काफी पीछे छोड़ आई हूं। पर जिस चीज़ पर हमारी बुनियाद टिकी होती है न, डैडी...हम उस चीज़ से कभी पूरी तरह अलग नहीं हो पाते। मुझे आज भी रोने से डर लगता है। हिचकिचाहट होती है कि कोई मुझे रोता हुआ न देख ले। मैंने एक लबादा ओढ़ रखा है- एक झूठा लबादा। जैसे अभी...मैं इस गाने के साथ ज़ोर-ज़ोर से रोना चाह रही हूं। पर मेरी आंख छलक गई तो आस-पास के लोग क्या सोचेंगे?

मुझे खुद को खुद ही संभालना होगा। काश... आप लोग मुझे एक बार ही सही, बिलख-बिलखकर रोने का हक देते और फिर अपनेपन से मुझे चुप कराते। मैंने ओढ़ी हुई चादर से आधे मुंह और सिर को ढंक लिया था। अपने अंदर के दर्द को अंदर ही पी गई थी। बस तेज़ गति से दौड़ रही थी। सर्द हवा के झोंकों ने आंखों को खुश्क और चेहरे को नम कर दिया था। और मैं...आज भी उसी सवाल के साथ बैठी थी- "क्यों?"

रिश्तेदारों को आने में समय लगना था तो किसी को तो यह सब करना ही था। बिना रोए, बिना चिल्लाए मैंने सब काम निपटाए। मुझे रोना आया ही नहीं था। ऐसा नहीं था कि मेरे अंदर अहसास ही नहीं था। पर रोता शायद वही है जिसे लगे कि कोई है जो उसे संभाल लेगा, उसे चुप कराएगा। और मैं तो इस बात से बहुत बचपन से ही वाकिफ थी कि मुझे संभालने वाला कोई नहीं है। मैं बचपन से ही आप दोनों को लड़ते-झगड़ते देख रही थी। और आप लोगों ने कभी यह सोचा ही नहीं कि जिस बच्चे की लाड़-प्यार और देखभाल पाने की उम्र है, उसे किस कदर आप लोगों की देखभाल करनी पड़ती है।

मुझे खुद को खुद ही संभालना होगा। काश... आप लोग मुझे एक बार ही सही, बिलख-बिलखकर रोने का हक देते और फिर अपनेपन से मुझे चुप कराते। मैंने ओढ़ी हुई चादर से आधे मुंह और सिर को ढंक लिया था। अपने अंदर के दर्द को अंदर ही पी गई थी। बस तेज़ गति से दौड़ रही थी। सर्द हवा के झोंकों ने आंखों को खुश्क और चेहरे को नम कर दिया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेन्द्र कुमार



मैं आवाज हरियाणे की

तू यूपी की मीठी बोली मै आवाज हरियाणे की
तू बचपन के गीत सुनाती मैं रणघोष जवानी की

तू गंगा के मैदानों में रहती मैं यमुना के खादर में
तू मीठे आमों के बागों में रहती मैं खट्टे नींबू खाती

तू (इ)इमली बोला करती मै (ई) ईख से काम चलाती
तू गंगा का पानी पीती मैं खारे पानी से प्यास बुझाती

तू देवों आगे शीश झुकाती मैं दुश्मन पर रौब जमाती
तू यूपी की मीठी बोली मै हूं आवाज हरियाणे की

तू खाती पान बनारस वाला मैं पीती हुक्का तमाखू वाला
तू सावन की रिमझिम मैं माह पौ का पाला।

तू छन्दों में रहने वाली यहां रागनियों का बोलबाला
तू देवों की भूमि पर मेरे यहां एक मुरली वाला

तू प्यार जताने की मैं प्रेम से ना समझे तो समझाने की
तू यूपी की मीठी बोली मै हूँ आवाज हरियाणे की।

दीपावली की खरीदारी में श्रीमती की होशियारी



व्यंग्य | रेखा शाह आरबी

दुनिया के सारे पति अपने आप को अपनी पत्नियों से महान, होशियार, समझदार समझने को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। ऐसा किसी भी किताब में नहीं लिखा है कि पति पत्नी से महान होता है और ना ही पूरी दुनिया के स्कूलों में ऐसी कोई डिग्री दी जाती है। जिसके आधार पर यह कहा जा सके कि पति बहुत महान व्यक्ति होता है। वे अपने आप को महानता होशियारी में पीएचडी धारक और पत्नी को पहली क्लास की एक स्टूडेंट समझते हैं। यह और बात है कि पत्नी के मुंह पर वह कह नहीं पाते। पूरी जिंदगी मदारी के बंदर के जैसे उसके इशारों पर नाचते हैं। जैसे नेता एक कुर्सी के आगे पीछे नाचता है। जब दो पति आपस में मिलते हैं तो यह पुनीत पावन कार्य कर ही लेते हैं। 'अरे छोड़ो इन स्त्रियों को इन्हें चूल्हे चौके के अलावा आता क्या है.. इनको दुनियादारी के बारे में पता ही कितना है' लेकिन वह यह कभी नहीं समझते हैं कि सब्जी खरीदते हुए जो पुरुष धनिया को भी खरीद कर लाते हैं। उसी धनिए को उनकी पत्नी लड़-झगड़कर और अपनी वाकपटुता से सब्जी वाले से फ्री में लेती हैं।

अब उनकी होशियारी पर क्या शक करना चतुरी जी भी अपने आप को बहुत ही होशियार समझते थे। लेकिन समझने और होने में बहुत फर्क होता है। वैसे ही जितना आसमान और धरती में फर्क होता है। चतुरी जी को दिवाली में बच्चों के लिए खरीदारी करनी थी। नए कपड़े बनवाने थे। अतः चतुरी जी ने संडे को खरीदारी का कार्यक्रम बना लिया। संडे को चतुरी जी और उनकी श्रीमती बाजार में पहुंच गए। चतुरी जी तो शहर में नए-नए खुले एक मॉल जिसका नाम था 'लूटाओ माल हो जाओ कंगाल' इसका बड़ा ही नाम सुने थे। उसमें ही चलने को कहने लगे। उनकी श्रीमती ने साफ-साफ मना कर दिया मॉल में खरीदारी करने से और अपनी पसंद की दुकान पर ले गई। चारों बच्चों का मनपसंद कपड़ा लिया गया, बिल बना दस हजार का..।

चतुरी जी दुकानदार से बोले-- 'भाई सही से रेट लगाना'

दुकानदार -'भैया एकदम सही से लगाए हैं पांच रुपया भी कम करने की गुंजाइश नहीं है'।

चतुरी जी की श्रीमती सब चुपचाप देख रही थी। उसने पैसा और बिल अपने हाथ में ले लिया और दुकानदार से बोली - 'भैया ढंग से रेट लगाओ पुराने गाहक हैं। हमेशा आपकी ही दुकान पर आते हैं.. क्या चाहते हो कि फिर से कभी आपके दुकान पर नहीं आए'।

दुकानदार- 'बहन जी एकदम सही से लगाया है, आप जाकर बाजार में समझ सकती हैं'।

> चतुरी जी का हाथ पकड़ कर उनकी श्रीमती उन्हें दुकान से बाहर लेकर निकलने लगी और पीछे मुड़कर बोली --'देना है तो दीजिए, नहीं तो अगली बार से आपकी दुकान पर कभी नहीं आऊंगी।

'बाजार में समझ कर आई हूं इसीलिए बोल रही हूं'।

दुकानदार समझ गया कि मुर्गा अनाड़ी नहीं है खिलाड़ी है। बात हाथ से निकल जाए उससे पहले ही बोला--'अच्छा ठीक है आप 1000 कम दे दीजिएगा'।

' मैं चारों कपड़ों का 7000 से 1 अधिक नहीं दूंगी, आपको देना है तो दीजिए वरना मैं चलती हूं बाजार में बहुत सारे दुकान है'।

और पतिदेव से बोली -'चलिए जी उठिए कहीं और से कपड़े लेते हैं'।

'अरे बहन जी, आप तो छोटी-छोटी बातों का बुरा मान जाती हैं। आप 2000 कम दे दीजिएगा'।

दुकानदार ने अपनी तरफ से फिर एक दाव फेंका।

चतुरी जी का हाथ पकड़ कर उनकी श्रीमती उन्हें दुकान से बाहर लेकर निकलने लगी और पीछे मुड़कर बोली -

-'देना है तो दीजिए, नहीं तो अगली बार से आपकी दुकान पर कभी नहीं आऊंगी हमेशा आपके यहां से सामान ले जाते हैं.. आप थोड़े के लालच में एक परमानेंट ग्राहक खो देंगे'।

दुकानदार ने मन मारकर लहजे में कहा - - ' आइए बहन जी.. आप लोगों को नाराज करके मैं अपने रोजी-रोटी नहीं मारना चाहता'। उधर चतुरी जी इस सारे वार्तालाप को बड़े ही ध्यान पूर्वक सुन रहे थे.. उनका मन कर रहा था कि अपना सिर पीट ले और दुकानदार को पकड़ कर उसके कनपटी पर दो-चार झापड़ रसीद कर दे.. बताओ भला मैं जब कह रहा था तो यह 5 कम करने को तैयार नहीं था। और अभी 3000 कम कर रहा है। 3000 की बचत के बदले 3 लाख की बेइज्जती करवा दी। उधर चतुरी जी की श्रीमती गर्व से भरकर एक उपहास पूर्ण मुस्कान चतुरी जी की तरफ फेंका.. चतुरी जी शर्म से जमीन में गड़े जा रहे थे। साथ ही महिला वर्ग की समझदारी वाकपटुता पर भी मोहर लगाए जा रहे थे।

बाल कविता | भूपसिंह 'भारती'



बंदर

भाग-दौड़ में, सरपट बंदर।
उछल-कूद में, फरवट बंदर।।

कच्चे फल-फूलों को तोड़े,
होता कितना, हलकट बंदर।

तू डाल-डाल, मैं पात-पात,
चढ़े पेड़ पर, झटपट बंदर।

देखते-देखते चीजों को,
ले जाता है, चटपट बंदर।

गुड़, भुगड़े, केले, लड्डू,
खा जाता है, सटपट बंदर।

अगर सुने जो, सिंह गर्जना,
गिरे पेड़ से, लटपट बंदर।

एक जगह पर, रहे कभी ना,
करे खूब ये, खटपट बंदर।

अपनी बंदर घुड़की से ही,
हमें डराता, नटखट बंदर।

मोटिवेशनल

जीवन की दौड़ में खुद को पीछे न छोड़ दें

दूसरों से आगे निकलने की चाह में कहीं हम अपनी खुशियों, रिश्तों और वास्तविक पहचान से तो दूर नहीं होते जा रहे? आज का दौर प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों का दौर है। विद्यार्थी अच्छे अंक और प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश चाहते हैं, युवा बेहतर करियर की तलाश में हैं और नौकरीपेशा लोग निरंतर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। इन सबके बीच अक्सर हम भूल जाते हैं कि जीवन में आगे बढ़ना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी स्वयं के साथ जुड़े रहना भी है। सवाल यह नहीं है कि हम कितनी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि यह है कि इस दौड़ में हम अपने भीतर क्या बचाकर रख पा रहे हैं। तुलना की दौड़ में खोती पहचानसोशल मीडिया ने दूसरों की उपलब्धियों को हमारे जीवन का हिस्सा बना दिया है। किसी की सफलता, नई नौकरी या आर्थिक प्रगति देखकर हम अनजाने में अपनी जिंदगी की तुलना उससे करने लगते हैं। धीरे-धीरे दूसरों की उपलब्धियां प्रेरणा देने के बजाय हमारे भीतर असंतोष पैदा करने लगती हैं। हम अक्सर किसी की सफलता देखते हैं, लेकिन उसके पीछे का संघर्ष, परिस्थितियां और वर्षों की मेहनत नहीं देख पाते। इसके बावजूद अपनी यात्रा की तुलना किसी दूसरे व्यक्ति की मंजिल से करने लगते हैं।हमें समझना होगा कि हर व्यक्ति की परिस्थितियां, क्षमताएं और जीवन की गति अलग होती हैं। किसी का जल्दी सफल हो जाना इस बात का प्रमाण नहीं कि हम पीछे रह गए हैं। जीवन कोई ऐसी प्रतियोगिता नहीं है, जिसमें सभी को एक ही समय पर एक ही मंजिल तक पहुंचना हो। जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा हमें ऊर्जा देती है, लेकिन स्वयं के प्रति जागरूकता उस ऊर्जा को सही दिशा देती है। सपने देखिए, मेहनत कीजिए और अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ उपयोग कीजिए।



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

लघु कथा

नेता जी

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच शहर के एक बड़े सांस्कृतिक मंच पर प्रसिद्ध गायक ने प्रवेश किया। उम्र ने उनकी आवाज़ की खनक और कदमों की थिरकन पर कुछ असर जरूर डाला था, लेकिन उनके गीतों में अब भी वही पुरानी मिठास थी। आयोजकों और श्रोताओं के बार-बार आग्रह पर वे वर्षों बाद मंच पर लौटे थे।



नील मणि
कहानीकार

गाते हुए वे बीच-बीच में साँस लेने के लिए रुक जाते। कभी सुर संभालते, कभी आंखें मूंदकर पुराने दिनों की स्मृतियों में उतर जाते। सामने बैठी जनता मंत्रमुग्ध थी। वह उनकी थकान नहीं, उनके जीवन भर के संगीत को सुन रही थी।

प्रबुद्ध श्रोताओं को मालूम था कि उम्र का अपना संगीत होता है- कुछ सुर धीमे पड़ जाते हैं, कुछ स्मृतियां और गहरी हो जाती हैं।

तभी मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि नेताजी अपनी कुर्सी से उठे। माइक थामकर कलाकार की ओर मुखातिब हुए।

"इतना पीते क्यों हैं? गाने में न पहले जैसी फुर्ती, न आवाज में दम! जनता आपको सुनने आई है और आप..."

गायक चुपचाप सुनते रहे। उनके चेहरे पर न प्रतिवाद था, न नाराज़गी। बस, आंखों में एक थकी हुई शांति थी।

तालियां बजाते हाथ ठिठक गए। जनता अवाक थी- जिस कलाकार के गीतों ने कई पीढ़ियों को प्रेम, विरह और जीवन का अर्थ सिखाया था, उसे आज एक ऐसा व्यक्ति सार्वजनिक मंच पर डांट रहा था, जिसका अपना परिचय, माइक और पद के बिना अधूरा था।

कुछ हटकर

नर्सिंग में करियर संग बनाएं हेल्थकेयर सेक्टर में पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर आज तेजी से विकसित हो रहा है और हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, क्लिनिक तथा कम्युनिटी हेल्थ सेंटर में प्रशिक्षित नर्सिंग प्रोफेशनल्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। अगर आपकी रुचि लोगों की सेवा करने, पेशेंट केयर और मेडिकल फील्ड में करियर बनाने की है, तो जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) आपके लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन हो सकता है। जीएनएम एक प्रोफेशनल नर्सिंग डिप्लोमा कोर्स है, जो स्टूडेंट्स को मरीजों की देखभाल, नर्सिंग प्रक्रियाओं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और कम्युनिटी हेल्थ से संबंधित ट्रेनिंग देता है। जीएनएम कोर्स की अवधि वर्तमान करिकुलम के अनुसार सामान्यतः 3 वर्ष है। इसमें थ्योरी के साथ हॉस्पिटल में क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी शामिल होती है।

विशेषज्ञताएं

इंडियन नर्सिंग काउंसिल के पात्रता मानदंडों के अनुसार 12वीं में इंग्लिश और निर्धारित न्यूनतम अंक जरूरी हैं। अन्य पात्रता शर्तें, आयु सीमा और स्ट्रीम संबंधी नियम संबंधित वर्ष की आधिकारिक गाइडलाइन एवं संस्थान के अनुसार जांचने चाहिए।

इस कोर्स में एनाटॉमी एवं फिजियोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, साइकोलॉजी, सोशियोलॉजी, फंडामेंटल ऑफ नर्सिंग, फर्स्ट एड, न्यूट्रिशन, कम्युनिटी हेल्थ नर्सिंग, मेडिकल-सर्जिकल नर्सिंग, चाइल्ड हेल्थ नर्सिंग, मेंटल हेल्थ नर्सिंग, मिडवाइफरी और गायनेकोलॉजिकल नर्सिंग जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। जीएनएम (जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी) में एडमिशन के लिए सामान्यतः 12वीं पास होना आवश्यक है।



आवश्यक कौशल

नर्सिंग के क्षेत्र में सफल होने के लिए मेडिकल नॉलेज के साथ पेशेंट केयर, कम्युनिकेशन, टीमवर्क, इमरजेंसी रिस्पॉन्स और सही तरीके से नर्सिंग प्रक्रियाओं को पूरा करने की क्षमता जरूरी है। स्टूडेंट्स को हॉस्पिटल ट्रेनिंग के दौरान पेशेंट मॉनिटरिंग, इंफेक्शन कंट्रोल, प्रोफेशनल्स के साथ समन्वय सीखना चाहिए।

निजी क्षेत्र में विकल्प

जीएनएम पूरा करने और आवश्यक नर्सिंग रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने के बाद स्टूडेंट्स निम्नलिखित क्षेत्रों में अवसर तलाश सकते हैं:

स्टाफ नर्स: हॉस्पिटल, नर्सिंग होम और क्लिनिक में मरीजों की देखभाल।
आईसीयू नर्स: क्रिटिकल केयर यूनिट में काम करना, आवश्यक ट्रेनिंग और अनुभव के साथ।
इमरजेंसी नर्स: इमरजेंसी और ट्रॉमा केयर विभाग में काम करना।
ओटी नर्सिंग स्टाफ: ऑपरेशन थिएटर में सर्जिकल टीम को सहयोग देना, संबंधित ट्रेनिंग के अनुसार।

सरकारी क्षेत्र में करियर विकल्प

जीएनएम के बाद आवश्यक रजिस्ट्रेशन और भर्ती की पात्रता पूरी करने पर सरकारी अस्पतालों, जिला अस्पतालों, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, सरकारी मेडिकल कॉलेजों और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में संबंधित नर्सिंग पदों के लिए आवेदन किया जा सकता है। संभावित अवसरों में स्टाफ नर्स, नर्सिंग स्टाफ और भर्ती नियमों के अनुसार अन्य नर्सिंग पद शामिल हो सकते हैं। कुछ पदों के लिए अतिरिक्त अनुभव, विशेष ट्रेनिंग या निर्धारित शैक्षणिक योग्यता की जरूरत हो सकती है। ध्यान रखें कि हर सरकारी भर्ती में जीएनएम योग्यता स्वीकार हो, यह जरूरी नहीं है। आवेदन करने से पहले संबंधित भर्ती नोटिफिकेशन, मान्यता प्राप्त संस्थान की शर्तें और स्टेट नर्सिंग काउंसिल में रजिस्ट्रेशन की आवश्यकताएं जरूर जांचें।

1 नवंबर 1966 को हुआ था प्रदेश का गठन : डीसी

हरियाणा दिवस पर डीपीआरसी हॉल में हुआ जिला स्तरीय हीरक जयंती समारोह

प्रदेश ने देश में कृषि, स्वास्थ्य, खेल, शिक्षा और उद्योग क्षेत्रों में बनाई विशिष्ट पहचान : डॉ. विवेक भारती



फतेहाबाद। जिला स्तरीय हीरक जयंती समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देते हुए स्कूली बच्चे।

राज्य स्तरीय हीरक जयंती का किया सीधा प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

हरियाणा दिवस के अवसर पर डीपीआरसी हॉल में जिला स्तरीय हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन करने के साथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम व राज्य गीत जय जय जय हरियाणा के साथ हुई। कार्यक्रम के दौरान कुरुक्षेत्र में आयोजित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राज्य स्तरीय हीरक जयंती समारोह का सीधा प्रसारण भी किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने कहा कि हरियाणा का गठन 1 नवंबर, 1966 को हुआ था और इन वर्षों में प्रदेश ने विकास, कृषि, खेल, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रदेश की विकास यात्रा में किसानों, जवानों, खिलाडिय़ों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हरियाणा की मेहनतकश जनता ने अपनी प्रतिभा और परिश्रम से प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा की पहचान उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता, मेहनत और भाईचारे से है। प्रदेश के लोकगीत, लोकनृत्य, रीति-रिवाज और परंपराएं हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और इतिहास से जोडऩा आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढिय़ां प्रदेश की गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ा सकें। उपायुक्त ने इस अवसर पर जिला वासियों को हरियाणा दिवस की बधाई भी दी।

जय जय तुलसी माता गीत से बिखेरे संस्कृति के विविध रंग

समारोह में विभिन्न स्कूली बच्चों ने हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और गौरवशाली विरासत पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पीएम श्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय फतेहाबाद के विद्यार्थियों ने मैं नई नवेली आई, एसबीपी डीएवी सेंटेनरी स्कूल के विद्यार्थियों ने पिया जी हो जा न्यारा हो, पायनियर कॉन्वेंट स्कूल ने स्याण स दामण, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बरसीन ने जय जय म्हारा हरियाणा तथा शांति निकेतन स्कूल ढिंगसरा के विद्यार्थियों ने जय जय तुलसी माता गीत की प्रस्तुति देकर हरियाणवी संस्कृति के विविध रंग बिखेरे। इस अवसर पर एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार, सीटीएम गौरव गुप्ता, डीएसपी राजीव कुमार, उपनिदेशक अमित पंवार, जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, डीपीसी बलवान सिंह, डिप्टी सीएमओ डॉ. शरद तुली, डीआईओ सिकंदर, जिला युवा अधिकारी रीना केसरिया, प्राध्यापक रमेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षकगण, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

किसानों की खेतों में की गई कड़ी मेहनत, जवानों के शौर्य व श्रमिकों के परिश्रम : चेयरमैन जांगड़ा

- हरियाणा दिवस पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिखी हरियाणवी संस्कृति की झलक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा



सिरसा। समारोह में सांस्कृति प्रस्तुति देती छात्राएं

हरियाणा दिवस के अवसर पर पंचायत भवन में हीरक जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन रोहताश जांगड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। समारोह में स्कूली विद्यार्थियों ने हरियाणवी संस्कृति, लोक परंपराओं और प्रदेश की समृद्ध विरासत को दर्शाती शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर खूब वाहवाही बटोरी। विद्यार्थियों ने रागिनी, एकल नृत्य और समूह नृत्य के माध्यम से हरियाणा की लोक संस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, रीति-रिवाजों और लोकगीतों की मनमोहक झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रतिभागियों और विजेताओं को स्कूल शिक्षण सामग्री किट, प्रशस्ति पत्र और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कुरुक्षेत्र में आयोजित मुख्य समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिरकत की। चेयरमैन रोहताश जागड़ा ने हरियाणा दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज ही के दिन हरियाणा प्रदेश की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा वीरों की भूमि है और यहां की पहचान दूध-दही के खानपान, जिंदादिली और मेहनतकश लोगों से है। इस प्रगति के पीछे किसानों की खेतों में की गई कड़ी मेहनत, जवानों के शौर्य और श्रमिकों के परिश्रम का महत्वपूर्ण योगदान है। किसान, जवान और श्रमिक प्रदेश की रीढ़ की हड्डी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास के साथ-साथ आमजन की सुरक्षा और तरक्की भी जरूरी है।

रागिनी में राजकीय विद्यालय साहुवाला द्वितीय की आरजु प्रथम

समारोह में स्कूली विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। जिनमें रागिनी में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहुवाला द्वितीय की आरजु प्रथम, राजकीय मॉडल संस्कृतिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सिरसा के हर्षित द्वितीय तथा राजकीय मॉडल संस्कृतिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी चौपटा की शोभा तृतीय स्थान पर रही। सोलो डांस में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहुवाला द्वितीय की टीम प्रथम, स्वामी विवेकानंद स्कूल सिरसा की टीम द्वितीय तथा राजकीय मॉडल संस्कृतिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी चौपटा की टीम तृतीय स्थान पर रही। ग्रुप डांस में स्वामी विवेकानंद वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की टीम प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय साहुवाला द्वितीय की टीम द्वितीय तथा राजकीय मॉडल संस्कृतिक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नाथूसरी चौपटा की टीम तृतीय स्थान पर रही।



संबोधित करते चेयरमैन रोहताश जांगड़ा।

आठ दिवसीय दीवाली मेले को लेकर श्रीमत सिटी सेंटर में उमड़ा जनसैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा



सिरसा। श्रीमत सिटी सेंटर में आयोजित दीवाली मेले में उमड़ी लोगों की भीड़।

डबवाली रोड स्थित श्रीमत सिटी सेंटर में आयोजित किए जा रहे दीवाली मेले में रोजाना भीड़ का नया रिकार्ड बन रहा है। दस दिवसीय यह मेला 28 अक्टूबर से शुरू हुआ था और 5 नवंबर तक जारी रहेगा। मेला स्थल पर करीब चार दर्जन शॉपिंग स्टॉल लगी है, जहां ना-ना प्रकार की वस्तुओं की प्रदर्शनी और बिक्री की जा रही है। श्रीमत सिटी सेंटर की ओर से पूरी मार्केट को विद्युत आधारित रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सिरसा में ऐसा नजारा पहले कभी देखने को नहीं मिला। यहां बच्चों के लिए चिल्ड्रन जोन बनाया गया है, जहां बच्चे जमकर आनंद ले रहे है। रोजाना सायं 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक कलाकारों द्वारा गीत-संगीत का लाइव शो आयोजन किया जा रहा है। साथ ही शापिंग स्ट्रीट में फूड जोन बनाया गया है, जहां लोग विभिन्न व्यंजनों का स्वाद चख रहे हैं। डायरेक्टर राजीव जैन ने कहा कि वर्षों पहले उन्होंने विदेश में जो देखा, अनुभव किया, उस से सिरसावासियों को रूबरू करवाने के लिए श्रीमत सिटी सेंटर को विकसित किया गया है।

छह दिवसीय प्रशिक्षण से निखरा माय भारत स्वयंसेवकों का कौशल

- स्वयंसेवकों को आपदा प्रबंधन, माय भारत पोर्टल और युवा क्लबों की भूमिका के बारे में दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के माय भारत कार्यक्रम के तहत उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान में माय भारत युवा स्वयंसेवकों के लिए आयोजित छह दिवसीय आवासीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। समापन समारोह में स्वयंसेवकों को माय भारत पोर्टल, आपदा प्रबंधन और युवा क्लबों की भूमिका सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह में जिला युवा अधिकारी सुश्री कोमल ने स्वयंसेवकों को माय भारत पोर्टल के उद्देश्य, पंजीकरण प्रक्रिया, कार्यप्रणाली तथा युवाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि माय भारत पोर्टल युवाओं को सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में भागीदारी का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने युवाओं से इस मंच का अधिकाधिक लाभ उठाने और समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

फ्रेंडस स्कूल में 11वां वार्षिक महोत्सव छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन

- बच्चों को शिक्षा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लेना चाहिए भाग : सुभाष फुटेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

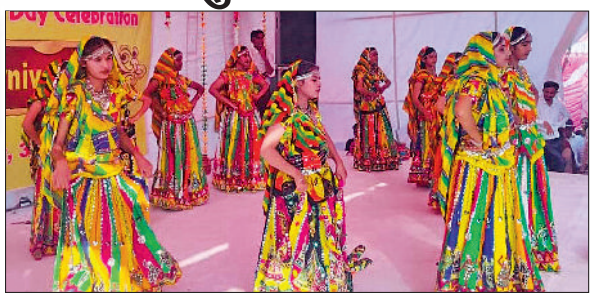

सिरसा। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देती छात्राएं।

फ्रेंड्स पब्लिक स्कूल सिकंदरपुर ने अपना 29वां वार्षिक महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया, जिसमें बच्चों ने अलग-अलग तरह की प्रस्तुतियां जैसे राजस्थानी, हरियाणवी, पंजाबी ने दर्शकों का मन मोह लिया और सभी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर डेरा बाबा भूमणशाह के गद्दीनशीन संत बाबा ब्रह्मदास महाराज ने भी शिरकत की और आए हुए सभी अतिथि गणों को अपना आशीर्वाद दिया। उनके सामने बच्चों द्वारा भगत सिंह का प्ले प्रस्तुत किया गया, जिसको कि सभी दर्शकों और बाबा जी द्वारा खूब सराहा गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष फुटेला ने शिरकत की और उन्होंने भी कार्यक्रम को खूब सराहा और कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए, जिससे बच्चों का चहुंमुखी विकास हो।

बिजली लाइसेंस विवाद पर प्रो. संपत ने सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

इनेलो के राष्ट्रीय संरक्षक एवं पूर्व मंत्री प्रो. संपत सिंह ने गुरुग्राम और नूंह में इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को समानांतर बिजली वितरण लाइसेंस दिए जाने के विवादित मामले में भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के हालिया हस्तक्षेप से भले ही फिलहाल संकट टल गया हो, लेकिन इस पूरे मामले से जुड़े कई अहम सवालों के जवाब अभी तक नहीं मिले हैं। प्रो. संपत सिंह ने सरकार से स्पष्ट करने की मांग की कि विद्युत अधिनियम की धारा 108 के तहत जारी किए गए निर्देशों को क्या सरकारी कार्य संचालन नियमों के अनुसार मंत्रिपरिषद की औपचारिक मंजूरी प्राप्त थी? क्या सरकार ने इस मामले में निर्धारित संवैधानिक एवं प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन किया है या केवल मुख्यमंत्री के आश्वासनों के आधार पर ही कार्रवाई की गई? उन्होंने बताया कि हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) ने 19 अक्टूबर, 2026 को इलेवन पावर प्राइवेट लिमिटेड को 25 वर्षों के लिए बिजली वितरण लाइसेंस प्रदान किया था। इस निर्णय के बाद प्रदेशभर में विरोध शुरू हो गया।

राधाकृष्ण खटाणा सर्वसम्मति से गुर्जर कल्याण सभा के प्रधान बने

हिसार। गुर्जर कल्याण सभा की आम सभा की बैठक रविवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल भवन में सभा के प्रधान राधाकृष्ण खटाणा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सभा की नई कार्यकारिणी के गठन बारे चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। आपसी सहमति और सर्वसम्मति से राधाकृष्ण खटाणा को एक बार फिर सभा का प्रधान चुन लिया। एडवोकेट कृष्ण खटाणा को महासचिव तथा राजेश गोरसी को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपस्थित सदस्यों ने वर्तमान कार्यकारिणी के कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों की सराहना की।

सिमरन करना संतों को जन्मदिन की असली भेंट: बिरेंद्र

डेरा जगमालवाली के संत मैनेजर के जन्मदिवस पर हुआ सत्संग व भंडारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कालांवली



डेरा जगमालवाली में मैनेजर साहिब का जन्मदिवस पर सत्संग व भंडारा लगाया। संत बिरेंद्र सिंह ने मैनेजर साहिब के जीवन और सिद्धांतों से सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हम सांसारिक रूप से एक-दूसरे को जन्मदिन पर कई तरह के उपहार देते हैं, लेकिन संतों के जन्मदिन पर हमारी तरफ से असली भेंट सिमरन है। सत्संग फरमाते हुए संत ने कहा कि जैसे हम अन्य सांसारिक कार्यों के लिए समय निकालते हैं, वैसे ही हमें सिमरन के लिए भी समय निकालना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि संत हमारे सिमरन से सांसारिक सफलता की गारंटी नहीं लेते, बल्कि आत्मिक सुख की गारंटी लेते हैं। जीवन में दुख और परेशानियां तो आएंगी, लेकिन सिमरन करने से आत्मा इतनी बलवान हो जाती है कि इंसान में हर दुख-तकलीफ को सहने की क्षमता आ जाती है और उसे इन परेशानियों से कोई फर्क नहीं पड़ता।

सतगुरु को भूला इंसान

संत ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा अजूबा यही है कि सबको पता है एक दिन मरना है, फिर भी कोई इसे याद नहीं रखता। हम सब यहां मुसाफिर हैं, जिनका बुलावा कभी भी आ सकता है। इंसान सारी उम्र परिवार और रिश्तेदारों को खुश करने में लगा रहता है, लेकिन जिसने मानव चोला दिया, उस सतगुरु को भूल बैठा है। अंत समय में याद आएगा कि जिस चौरासी के चक्र से आजाद होने आए थे, वह काम तो किया ही नहीं।

राजगढ़ रोड क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी आज

हिसार। बिजली निगम द्वारा राजगढ़ रोड क्षेत्र में आवश्यक रखरखाव कार्य किया जाना है। फोरमैन इंचार्ज संदीप बिश्नोई ने बताया कि इसके चलते दो नवंबर सोमवार को प्रातः 6 बजे से 9 बजे तक 33 केवी राजगढ़ रोड एवं 33 केवी आर. नगर फीडरों तथा इनसे जुड़े सभी 11 केवी फीडरों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इस दौरान संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। आवश्यक रखरखाव कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

दिल्ली से उठी बदलाव की आहट अब देश के कोने-कोने में पहुंचेगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

दिल्ली रैली में देशवासियों ने जिस उत्साह और एकजुटता का परिचय दिया, उसने साबित कर दिया कि जनता की आवाज़ को किसी भी तरह दबाया नहीं जा सकता। यह अधिकारों, लोकतंत्र और संविधान के सम्मान की आवाज है। इसे न बंदिशों से रोका जा सकता है, न डर से दबाया जा सकता है और न ही भ्रम फैलाकर कमजोर किया जा सकता है। जब जनता जागती है तो इतिहास बदलता है। यह बात युवा कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ दिल्ली में आयोजित इंडिया ब्लॉक की विशाल रैली में उमड़े जनसैलाब का धन्यवाद करते हुए कही। युवा कांग्रेस नेता मुकेश प्रजापति के नेतृत्व में फतेहाबाद जिलेभर से हजारों कार्यकर्ताओं और युवाओं का जत्था दिल्ली में आयोजित इस महारैली में शामिल हुआ। रैली को लेकर युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

डर का माहौल पैदा करना अनुचित



मुकेश प्रजापति

रैली के दौरान दिल्ली के बाजारों की स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुकेश प्रजापति ने कहा कि कनॉट प्लेस में दुकानों को बंद करवाने और व्यापारियों के बीच नुकसान की आशंका को लेकर जो माहौल बनाया गया, उस पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि लाखों की संख्या में दिल्ली पहुंचे लोग केवल किसी राजनीतिक या लोकतांत्रिक कार्यक्रम में भाग लेने ही नहीं आते, बल्कि वे बाजारों और स्थानीय व्यापार को भी गति देने की क्षमता रखते हैं।उन्होंने आगे कहा कि व्यापारियों के हितों की चिंता करना बेहद जरूरी है, लेकिन राजनीतिक या प्रशासनिक लाभ के लिए जनता और व्यापारियों के बीच डर अथवा भ्रम का माहौल पैदा करना पूरी तरह से अनुचित है। आज देश की आम जनता पूरी तरह से जाग चुकी है।

किरढाण में गुर्जर महासभा ने किया लौहपुरुष को याद

सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में लाते हैं जागरूकता : गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां



भट्टूकलां। संतों को सम्मानित करते हुए गुर्जर महासभा के पदाधिकारी।

गांव किरढाण में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा द्वारा देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन किया गया। धूमधाम से मनाए गए इस कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य समाजसेवियों, संतों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में रामनिवास फौजी, जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष फतेह सिंह भड़ाना तथा डेरा लालपुर, हांसी से स्वामी सुरेश्वरानंद महाराज ने विशेष रूप से शिरकत की। कार्यक्रम की शुरुआत में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया। अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश महामंत्री बंशीलाल गुर्जर ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और वैचारिक कार्यक्रम समाज में भाईचारा और जागरूकता लाते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि समाज के हर वर्ग को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढक़र हिस्सा लेना चाहिए। मुख्य अतिथि रामनिवास फौजी ने अपने जीवन के संघर्ष के दिनों को याद करते हुए युवाओं को हर परिस्थिति में ईमानदारी और संघर्ष के साथ आगे बढऩे की प्रेरणा दी।

समाज में फैली कुरीतियों को करें खत्म : भड़ाना

जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष फतेह सिंह भड़ाना ने अपने संबोधन में गुर्जर शब्द की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और उसके अर्थ पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने समाज में फैली विभिन्न कुरीतियों और बुराइयों को जड़ से समाप्त करने पर जोर देते हुए शिक्षा और सामाजिक सुधारों को अपनाने की बात कही। वहीं, स्वामी सुरेश्वरानंद जी महाराज ने आयोजन समिति को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा कि महापुरुषों की जयंती पर आयोजित होने वाले ऐसे अच्छे कार्यक्रम समाज को सही दिशा और प्रगति की ओर ले जाते हैं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सांवरमल गुर्जर, प्रदेश प्रवक्ता आत्माराम कसाना, जिला अध्यक्ष बिट्टू कसाना, रोशन रावत, पवन रावत, विनोद रावत, अनिल कसाना, प्रकाश, रोहतास, इंदर, ओम, चंदू, कृष्ण लाइनमैन, राम, हरिराम, कृपाराम, भूप सिंह, महेंद्र सिंह रावत, चंदन कसाना, छबील दास कसाना, सुंदर रावत, सतपाल और साहिल रावत उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



दिल्ली महारैली में पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ता

सिरसा। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली में शामिल होने के लिए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष संतोष बेनीवाल के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का जत्था दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। संतोष बेनीवाल ने कहा कि यह केवल एक राजनीतिक रैली नहीं है, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और हर नागरिक के वोट के अधिकार की रक्षा के लिए लड़ा जाने वाला निर्णायक धर्मयुद्ध है। वर्तमान सरकार संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाकर लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने का काम कर रही है। देश का किसान, युवा, मजदूर और आम नागरिक इस तानाशाही से परेशान हो चुका है। यह संदेश स्पष्ट हैं कि अब देश का आम नागरिक खामोश नहीं बैठेगा। जब तक लोकतंत्र की रक्षा नहीं हो जाती, हमारी यह लड़ाई सडक़ से लेकर संसद तक जारी रहेगी।

श्री काली माता मंदिर ओढ़ा में लगा भंडारा

ओढां। गौशाला रोड स्थित श्री काली माता मंदिर ओढ़ा में 11वें मासिक भंडारे का श्रद्धा व उल्लास के साथ आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में भारी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने माता रानी के दर्शन किए और शाम को लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर के पुजारी अशोक शर्मा ने बताया कि भंडारे के उपलक्ष्य में सुबह माता रानी के पावन स्वरूप को पवित्र स्नान करवाया गया। इसके बाद माता जी को नए वस्त्र धारण करवाकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया। शाम को ठीक 5:15 बजे परंपरागत रूप से कंजक पूजन करवाया गया। कंजक पूजन संपन्न होने के तुरंत बाद भंडारा (लंगर) शुरू किया गया। इस भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए हलवा, छोले, पूरी, सब्जी और रोटी का विशेष लंगर लगाया गया। मंदिर कमेटी ने मेले के लिए श्रद्धालुओं का आभार जताया।

दिलप्रीत सिंह, मनिंद्र समरा, प्रीत कौर और पूजा रानी बेस्ट एथलीट

गुमटसर स्पोर्ट्स अकादमी में ओपन खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

गुमटसर स्पोर्ट्स टैलेंट लाइव ट्रस्ट के तत्वावधान में गुमटसर स्पोर्ट्स अकादमी के खेल मैदान पर ओपन वर्ग की बालक व बालिका खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनोद जग्गा एवं जगदेव सिंह ठेकेदार ने हरी झंडी दिखाकर किया। पूरी प्रतियोगिता कोच हरदीप सिंह बोला और छिंद्रपाल कौर की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रतियोगिता में रेफरी की भूमिका छिंद्रपाल कौर व डीपी सुनील कुमार ने निभाई, जबकि स्कोरर के रूप में हरदीप सिंह व खुशदीप कौर और टाइमकीपर की जिम्मेदारी डॉ. गुरप्रीत व बलवीर खोखर ने संभाली। इस अवसर पर कमेटी सदस्य के रूप में हरदीप सिंह बोला, इन्द्रजीत समरा, संदीप नेगल, अजय बेदी, छिंद्रपाल कौर, रवि कुमार, सर्वजीत रंगोखर, तरसेम शर्मा, जगदेव सिंह और गुरनूर गिल्ली विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालिका वर्ग से प्रीत कौर गिल व पूजा वर्मा और बालक वर्ग से दिलप्रीत सिंह व मनिंद्र समरा को प्रतियोगिता का बेस्ट एथलीट चुना गया। लडक़ों के वर्ग में कुश्ती 32 किग्रा में दिलप्रीत सिंह प्रथम व कर्ण सिंह द्वितीय; 28 किग्रा में मनिंद्र समरा प्रथम व हरविन्द्र चादी द्वितीय; 24 किग्रा में गुरदित खोखर प्रथम व अभय सिंह गिल द्वितीय रहे। 5 किलोमीटर रेस में गुरनूर गिल्ली ने पहला, युवराज सिंह ने दूसरा, हरप्रीत नथवान ने तीसरा और गुरनूर मण्डेर ने चौथा स्थान प्राप्त किया। रस्सी कूद में दिलप्रीत सिंह प्रथम, पवन बोहरा द्वितीय, कार्तिक तृतीय और दलीप कुमार चौथे स्थान पर रहे। 800 मीटर रेस में दक्ष कुमार ने प्रथम, हैप्पी गुज्जर ने द्वितीय, मनप्रीत कुर्त ने तृतीय और बग्गा करंडी ने चौथा स्थान पाया। शॉटपुट में दिलप्रीत सिंह प्रथम, कबीर बोला द्वितीय, आयुष्मान तृतीय और गुरनूर संधू चौथे स्थान पर रहे। लॉन्ग जंप में ईशरीत ओलख प्रथम, गुरविन्द्र सैणी द्वितीय, अमृत सैणी तृतीय और आरिब सिंह चौथे स्थान पर रहे। लड़कियों के वर्ग में कुश्ती 32 किग्रा में प्रीत कौर गिल प्रथम व रमनदीप कौर द्वितीय, 28 किग्रा में परवाल सैनी प्रथम व गीता रायपुर द्वितीय, 24 किग्रा में पूजा वर्मा प्रथम व हरप्रीत कौर द्वितीय रहीं। तीन किलोमीटर रेस में प्रीत कौर गिल प्रथम, बख्शनूर द्वितीय, गीता तृतीय और परवाल सैनी चौथे स्थान पर रहीं। रस्सी कूद में खुशदीप कौर ने प्रथम, कणिका ने द्वितीय, रियांश सैनी ने तृतीय और पायल प्रजापत ने चौथा स्थान हासिल किया। लॉन्ग जंप में यशिका गोयल प्रथम, रमनदीप कौर द्वितीय, सुमन रानी तृतीय और गुरलीन कमाना चौथे स्थान पर रहीं। 800 मीटर रेस में प्रीत कौर गिल प्रथम, रूपनीत कौर द्वितीय, अशमीत कौर तृतीय और अमनदीप समरा चौथे स्थान पर रहीं। शॉटपुट में पूजा वर्मा प्रथम, मनिता रानी द्वितीय, सीरत कौर तृतीय और सिमरन खोखर चौथे स्थान पर रहीं। थ्रोबॉल के रोमांचक मुकाबले में भरपूर ढाणी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि गुमटसर अकादमी की टीम दूसरे स्थान पर रही। विजेता और उपविजेता खिलाडिय़ों को मेडल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

- प्रतियोगिता का शुभारंभ विनोद जग्गा एवं जगदेव सिंह ने किया



रतिया। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेती खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि



फतेहाबाद। गांव धांगड़ में आयोजित ग्राम सभा में शपथ लेते पावर ग्रिड के अधिकारी व जनप्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

धांगड़ में हुई ग्राम सभा,ग्रामीणों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा गांव धांगड़ में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों के बीच ईमानदारी, पारदर्शिता, नैतिक मूल्यों और भ्रष्टाचार के प्रति जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। ग्राम सभा में स्थानीय ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों, ग्रामीण नागरिकों, महिलाओं, युवाओं और क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सभा के दौरान उपस्थित जनसमूह को भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में नागरिकों की अहम भूमिका, सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा के महत्व तथा सरकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। पावरग्रिड कॉर्पोरेशन के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह की थीम पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने दैनिक जीवन, कार्यशैली और व्यापार में ईमानदारी व नैतिकता को सर्वोपरि रखें। वक्ताओं ने कहा कि एक सशक्त और प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण के लिए भ्रष्टाचार का दीमक से मुक्त होना बेहद जरूरी है।

- पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का रहा सहयोग

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों को देश के प्रति निष्ठावान रहने, ईमानदारी अपनाने और जीवन के हर क्षेत्र में पारदर्शिता बनाए रखने की सत्यनिष्ठा की शपथ भी दिलाई गई। ग्रामीणों ने पावरग्रिड की इस सार्थक पहल की जमकर सराहना की और भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी समाज के निर्माण में अपना पूर्ण सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में आए हुए सभी अतिथियों और ग्रामीणों का धन्यवाद के साथ आभार व्यक्त किया गया।

नगर परिषद और नगर पालिकाओं में विशेष कैंप में प्रॉपर्टी सेल्फ-सर्टिफाई कराने का मिला मौका

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- सेल्फ-सर्टिफिकेशन कराने से भविष्य में संपत्ति के हस्तांतरण में होगी आसानी

जिला फतेहाबाद के सभी शहरी निकायों यानि नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के अंतर्गत आने वाले प्रॉपर्टी धारकों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन और शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रॉपर्टी आईडी में दर्ज विवरण को सही करने, नाम व मोबाइल नंबर अपडेट करवाने और प्रॉपर्टी को सेल्फ-सर्टिफाई करवाने के लिए संबंधित निकाय कार्यालयों में आगामी एक सप्ताह तक विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन ने फतेहाबाद जिले की सभी नगर परिषदों और नगर पालिकाओं के नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी प्रॉपर्टी आईडी में दर्ज विवरण की स्वयं जांच कर लें। जिन प्रॉपर्टी धारकों के नाम या मोबाइल नंबर में किसी प्रकार की त्रुटि है अथवा दर्ज नहीं हैं, वे इस एक सप्ताह की अवधि में संबंधित कार्यालय पहुंचकर रिकॉर्ड में सुधार अवश्य करवा लें।

विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया है कि जिन प्रॉपर्टी धारकों ने अभी तक अपनी संपत्ति को सेल्फ-सर्टिफाई नहीं करवाया है, वे इन विशेष कैंपों के दौरान इस प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करें। सेल्फ-सर्टिफिकेशन कराने से भविष्य में संपत्ति के हस्तांतरण, एनओसी और अन्य सरकारी सेवाओं का लाभ लेने में कोई अड़चन नहीं आएगी।

नगर निकायों द्वारा लाल डोरा क्षेत्र में स्थित संपत्तियों के मालिकों के लिए विशेष अपील जारी की गई है। प्रशासन के अनुसार, लाल डोरा क्षेत्र के नागरिक अपनी प्रॉपर्टी का विवरण विभागीय पोर्टल पर अपलोड करवाना सुनिश्चित करें। जिन नागरिकों के पास अभी तक लाल डोरा प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं है।

नशा छोड़ने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

- ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत की काउंसिलिंग

नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों को नशामुक्त कर समाज की मुख्यधारा से जोडऩे के उद्देश्य से फतेहाबाद पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत जागरूकता, काउंसलिंग और उपचार की मुहिम लगातार जारी है।

इसी कड़ी में उपनिरीक्षक सुंदर लाल के कुशल नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम फतेहाबाद ने नागरिक अस्पताल फतेहाबाद तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रतिया में उपचाराधीन नशा पीड़ितों की काउंसलिंग कर उन्हें नियमित रूप से उपचार जारी रखने के लिए प्रेरित किया। काउंसलिंग के दौरान टीम ने उपचाराधीन व्यक्तियों से उनके स्वास्थ्य और उपचार की प्रगति के संबंध में जानकारी ली। साथ ही उन्हें चिकित्सकों की सलाह के अनुसार नियमित दवाइयां लेने, उपचार बीच में नहीं छोडऩे तथा नशे से पूरी तरह दूर रहने के लिए प्रोत्साहित किया।



फतेहाबाद। अस्पताल में उपचाराधीन नशा पीड़ितों की काउंसलिंग करते नशामुक्ति टीम सदस्य। फोटो : हरिभूमि

टीम ने समझाया कि नशे की लत से छुटकारा पाने के लिए मजबूत इच्छाशक्ति, नियमित उपचार और परिवार का सहयोग बेहद आवश्यक है। इसके अतिरिक्त नशा मुक्ति टीम ने रतिया क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। इस दौरान टीम ने नशे से प्रभावित 3 व्यक्तियों की पहचान कर उनकी काउंसलिंग की तथा उन्हें अस्पताल से आवश्यक दवाइयां उपलब्ध करवाईं। साथ ही तीनों को नियमित उपचार जारी रखने और नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। फतेहाबाद पुलिस ने आमजन से अपील की कि नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों को उपचार के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें नशामुक्त बनाने में सहयोग दें। ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत नशा पीड़ितों की पहचान, काउंसलिंग, उपचार और फॉलोअप का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कालांवाली में बिजली व्यवस्था चरमराई 16 घंटे से अधिक समय से सप्लाई बाधित

- त्योहारों के सीजन में शनिवार रात 8 बजे से रविवार दोपहर तक रही बिजली गुल, कारोबार प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭ कालांवाली

शहर कालांवाली में बिजली व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। शनिवार रात करीब 8 बजे से बाधित हुई। जोकि रविवार दोपहर 12 बजे बहाल की गई। जिसके चलते शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लंबे समय से बिजली न आने के कारण घरेलू कामकाज प्रभावित रहे और लोगों को रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने में भी दिक्कतें आई। बिजली कर्मचारियों के अनुसार, कुरंगावाली से कालांवाली आने वाली मेन लाइन में खराबी आई थी। कर्मचारी रात से ही फॉल्ट का पता लगाने और उसे ठीक करने के प्रयास में जुटे हुए थे। लेकिन खराबी का सही पता नहीं चल पाने के कारण बिजली सप्लाई बहाल करने में देरी हुई है। शहरवासियों का कहना है कि कालांवाली में बिजली व्यवस्था पिछले कई महीनों से बुरी तरह चरमराई हुई है। जब भी बिजली सप्लाई बाधित होती है, तो उसे बहाल होने में कम से कम 12 घंटे से ज्यादा समय लगता है।

त्योहारों के सीजन में कारोबार पर पड़ रहा असर

त्योहारों का सीजन होने के कारण कालांवाली के बाजारों में इन दिनों दुकानदारों को अच्छे कारोबार की उम्मीद है, लेकिन लंबे समय तक बिजली सप्लाई बाधित रहने से व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि बिजली न होने के कारण दुकानों में रोशनी, पंखे, बिजली से चलने वाले उपकरणों और अन्य जरूरी कामकाज में दिक्कतें आ रही हैं। वहीं, ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों के अनुसार, त्योहारों के समय कारोबार के लिए हर दिन महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में रात से लेकर अगले दिन दोपहर तक बिजली सप्लाई बाधित रहने से व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

व्यापारियों ने की जल्द समाधान की मांग

शहरवासियों और दुकानदारों ने बिजली निगम के अधिकारियों से मांग की है कि बार-बार बाधित होने वाली बिजली सप्लाई की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। साथ ही, मेन लाइन में आने वाली खराबियों को जल्द ठीक करने के लिए आवश्यक व्यवस्था की जाए, ताकि लोगों को घंटों तक बिजली के बिना परेशान न होना पड़े। लोगों का कहना है कि बिजली निगम को ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे तकनीकी खराबी आने पर उसे जल्द ठीक किया जा सके और बिजली सप्लाई लंबे समय तक बाधित न रहे।



सिरसा। मांगों को लेकर धरना देते कर्मचारी तथा रोडवेज परिसर में खड़ी बसें।

रोडवेज कर्मचारी धरने पर, बसों का संचालन बंद

सिरसा। रोडवेज कर्मचारी अपनी लंबित मांगों को लेकर कामकाज छोडक़र रविवार बाद दोपहर धरने पर बैठ गए हैं। कर्मचारियों ने रोडवेज परिसर में सरकार और विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। कर्मचारियों के धरने पर बैठने से रोडवेज बसें भी परिसर में खड़ी कर दी गई है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं हुए तो हरियाणा में रोडवेज का चक्का जाम कर दिया जाएगा। कर्मचारी नेता जयवीर सिंह ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर अधिकारियों के सामने आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का कोई समाधान नहीं किया जा रहा। स्थानीय कर्मचारियों ने कई बार रोडवेज महाप्रबंधक तक अपनी मांगें पहुंचाई हैं, इसके बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहे हैं। मेडिकल भत्ता, टीए और अन्य लंबित भुगतान जब तक उनके खातों में नहीं पहुंचते, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। कर्मचारियों ने पहले ही पांच और छह नवंबर को प्रदेशव्यापी हड़ताल का ऐलान किया हुआ है। कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द उनकी मांगों को पूरा नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जरूरत पडऩे पर पूरे हरियाणा में रोडवेज बसों का चक्का जाम किया जाएगा।

सुरक्षित बचपन अभियान के तहत बच्चों को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

- हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में 26 से 31 अक्टूबर तक सिरसा जिले में 'सुरक्षित बचपन अभियान' के तहत विशेष कानूनी जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के तहत सिरसा, ऐलनाबाद और मंडी डबवाली के विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान आरोही मॉडल स्कूल, सिरसा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संतोष बागोतिया ने विद्यार्थियों को बच्चों की सुरक्षा और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया।

इसी कड़ी में श्री राम न्यू सतलुज पब्लिक स्कूल, सिरसा, सावन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिरसा, राजकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय, पुलिस लाइन सिरसा, राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मंडी डबवाली तथा राजकीय माध्यमिक विद्यालय नंबर-3, मंडी डबवाली सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।



सिरसा। बच्चों को कानूनी अधिकारों और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करते।

सरकारी स्कूल में सीपीआर प्रशिक्षण कैंप लगाया

सिरसा। जिले के गांव जोधपुरिया के सरकारी स्कूल में आस्था मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल द्वारा सीपीआर प्रशिक्षण कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर का नेतृत्व प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. आदित्य गोयल और उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा किया गया। कैंप के दौरान डॉ. आदित्य गोयल ने स्कूल के शिक्षकों, स्टाफ और विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल डिमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से समझाया कि अचानक कार्डियक अरेस्ट या बेहोशी की स्थिति में मरीज की जान किस प्रकार बचाई जा सकती है। डॉ. आदित्य गोयल ने बताया कि अक्सर दिल का दौरा पडऩे या सांस रुक जाने से व्यक्ति अचानक बेहोश हो जाता है। ऐसी स्थिति में अस्पताल पहुंचने से पहले के शुरुआती कुछ मिनट (गोल्डन आवर) बेहद कीमती होते हैं। सही समय पर और सही तरीके से दी गई सीपीआर तकनीक से मरीज की जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।



हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 8295154800, 9315429403, 9253681005

जागरूकता | हरियाणा दिवस पर युवाओं को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

खेलो हरियाणा, फिट हरियाणा के तहत रतिया में निकली तिरंगा यात्रा

कार्यक्रम का शुभारंभ सिटी थाना एसएचओ प्रवीण कुमार व डॉ. नैब सिंह मंडेर ने किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ रतिया

हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में नागर स्पोर्ट्स अकादमी रतिया की ओर से खेलो हरियाणा, फिट हरियाणा अभियान के तहत नशे के खिलाफ एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान खिलाडिय़ों और खेल प्रेमियों ने युवाओं को नशे की गर्त से दूर रहकर खेलों से जुडऩे तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का पुरजोर संदेश दिया। साथ ही रतिया क्षेत्र को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प भी दोहराया गया। बॉयज स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ सिटी थाना एसएचओ प्रवीण कुमार, डॉ. नैब सिंह मंडेर और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। कार्यक्रम में रतिया के खेल प्रेमियों, क्रिकेट खिलाडिय़ों तथा विभिन्न खेल अकादमियों के कोचों और युवाओं ने बढ़-चढक़र हिस्सा लिया। हरियाणा दिवस के अवसर पर खिलाडिय़ों की प्रतिभा को निखारने व प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 400 मीटर दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अंडर-11 आयु वर्ग में जस्सी ने प्रथम, महक ने द्वितीय तथा अनमोल ने तृतीय स्थान हासिल किया। लडक़ों के ओपन वर्ग में विकास प्रथम, ललित द्वितीय और टोनी तृतीय स्थान पर रहे जबकि लड़कियों के ओपन वर्ग में भरपूर गांव की यशवी ने पहला और प्रतीक्षा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। अंडर-17 वर्ग में नाइक प्रथम, भरपूर के अरमान द्वितीय और जितेंद्र तृतीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता के समापन पर सभी विजेता खिलाडिय़ों को अतिथियों द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।



रतिया। विजेताओं को सम्मानित करते सिटी एसएचओ। फोटो : हरिभूमि

खेलों में हिस्सा लेने का आह्वान

इस अवसर पर जिला सलाहकार शर्मा चंद लाली ने युवाओं को रतिया को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा युवा पीढ़ी और समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा को सही दिशा देने के लिए उन्हें खेल, शिक्षा और रचनात्मक गतिविधियों से जोडना बेहद जरूरी है। खेल न केवल शारीरिक रूप से फिट रखते हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और आत्मविश्वास भी पैदा करते हैं। डॉ. नैब सिंह मंडेर ने बच्चों को शिक्षा व अच्छे संस्कार अपनाकर आगे बढऩे के लिए प्रेरित किया। क्रिकेटर सम्राट सागु और परवीन मराठा ने भी खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करते हुए निरंतर कड़ी मेहनत करने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की सीख दी।

स्मार्ट बैंकिंग एवं डिजिटल सुरक्षा विषय पर हुआ विस्तार व्याख्यान

कालांवाली। राजकीय महाविद्यालय कालांवाली में स्मार्ट बैंकिंग एवं डिजिटल सुरक्षा विषय पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में पंजाब नेशनल बैंक के सेवानिवृत्त उप प्रबंधक एवं ओढ़ां ब्लॉक के पूर्व वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता सुभाष कुमार ने विद्यार्थियों को बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय नियमों, बचत, निवेश, बजट निर्माण और सुरक्षित ऑनलाइन बैंकिंग के विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को ओटीपी, एटीएम पिन, बैंकिंग पासवर्ड एवं व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने की सलाह दी। इस अवसर पर हरियाणा ग्रामीण बैंक, कालांवाली के प्रबंधक केवीएलएन राव ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।